

प्रेषक

जे. पी. जोशी, संयुक्त सचिव, उत्तराखण्ड शासन

सेवा में

पुलिस महानिदेशक, पुलिस मुख्यालय, देहरादून

गृह अनुभाग-1

देहरादूनः दिनांकः-18 नवम्बर, 2011

विषय:-जनपद देहरादून में श्रेणी द्वितीय के 48, श्रेणी तृतीय के 08, श्रेणी चतुर्थ के 04 आवासीय भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने हेतु धनराशि अवमुक्त विषयक। महोदय.

उपर्युक्त विषयक पुलिस मुख्यालय के पत्र संख्याः डीजी—दो—146(2)/2007 दिनांक 13 जुलाई, 2011 के सन्दर्भ में शासनादेश संख्याः 245/236/XX(1)/10—36नि./2007 दिनांक 11 जून, 2010 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून में श्रेणी द्वितीय के 48, श्रेणी तृतीय के 08 एवं श्रेणी चतुर्थ के 04 आवासीय भवनों के निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित धनराशि रूपये 449.32 लाख के सापेक्ष अब तक अवमुक्त कुल धनराशि रूपये 378.48 लाख के कम में प्रस्तावित निर्माण कार्यों को पूर्ण कराये जाने हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2011—12 में अवशेष रूपये 70.84 लाख(रूपये सत्तर लाख चौरासी हजार मात्र) की धनराशि अवमुक्त करते हुये व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2— धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा अधिशासी अभियन्ता, यमुना निर्माण खण्ड द्वितीय यमुना कालोनी, देहरादून को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग तथा कार्यपूर्ण किया जाना प्रत्येक दशा में वर्तमान वित्तीय वर्ष में ही सुनिश्चित किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा। स्वीकृति सम्बन्धी मूल शासनादेश की सभी शर्ते यथावत रहेंगी।
- 3— एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी सो स्वीकृति प्राप्त कर लें।
- 4— प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर किया जायेगा तथा कार्य की अनुमोदित लागत तक ही रखा जायेगा। विलम्ब के कारण आगणन प्नरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।

कमशः 2

- 4- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून।
- 5- मुख्य कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- अधिशासी अभियन्ता, यमुना निर्माण खण्ड, द्वितीय यमुना कालोनी, देहरादून।
- 7- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सिववालय, देहरादून।
- 8- वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-05 / नियोजन विभाग
- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर देहराढून।
- 10- गार्ड फाईल।

(महावीर सिंह चौहान) अनु सचिव

आज्ञा से